THE 11th HSCA INTERNATIONAL CONFERENCE

on

MATERIALS AND BIOLOGICAL SCIENCES

November 16-17, 2024

at

GOVERNMENT COLLEGE BILASPUR

District Bilaspur, Himachal Pradesh-174 001

Organized by

Him Science Congress Association

Promoting Excellence in Sciences

HIM SCIENCE CONGRESS ASSOCIATION

in

Collaboration with

Estd. 1952

NT COLLEGE BILASPUR

ASIAN POLYMER ASSOCIATION

ZOOLOGICAL SURVEY OF

www.hsca.in

THE 11th HSCA
INTERNATIONAL CONFERENCE

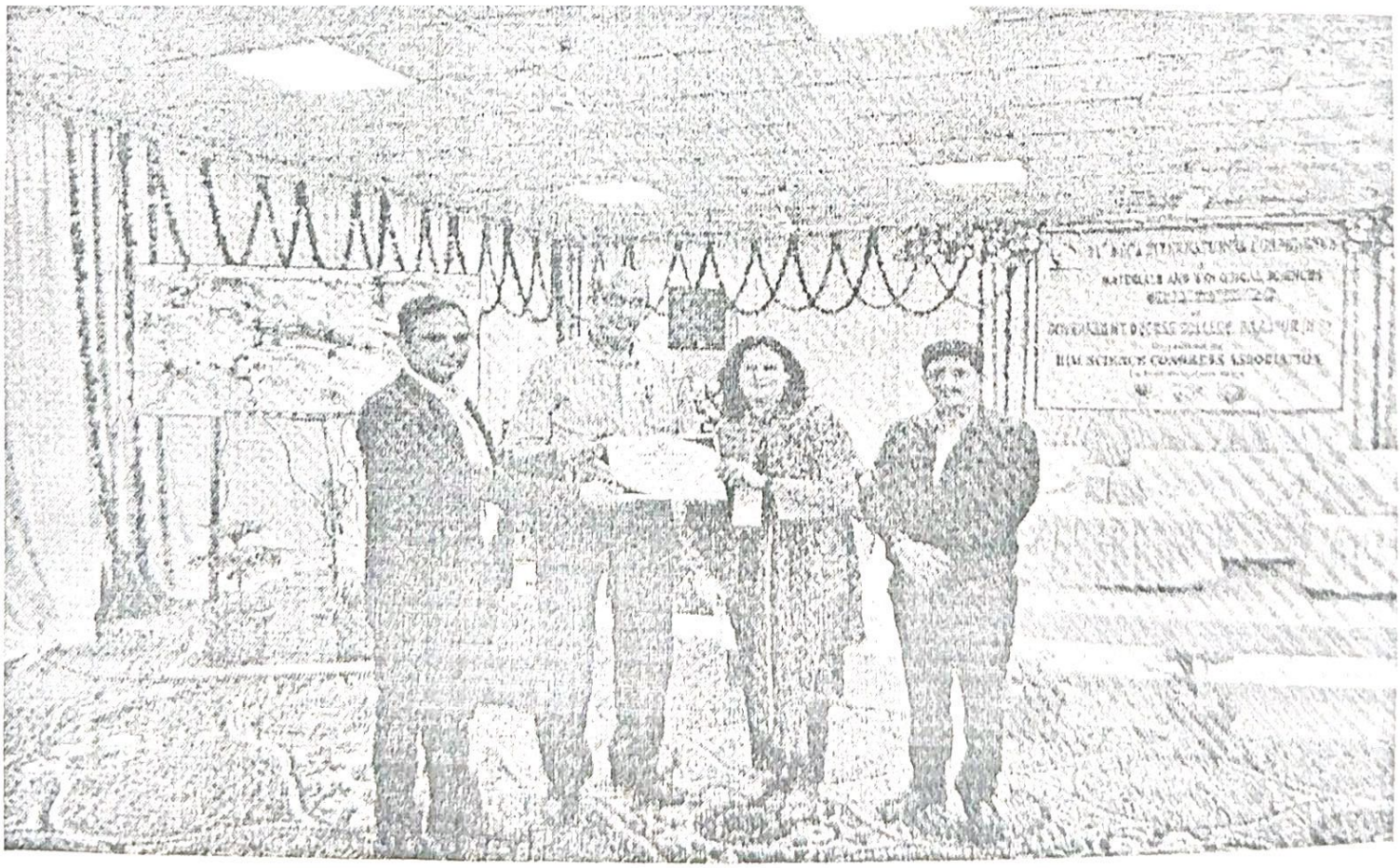

(188)

(31)

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं सम्मेलन में प्रस्तुत किए 190 शोध पत्र

12 प्रोजेक्ट प्रस्तुत किए गए

बिलासपुर, 17 नवम्बर (विशाल): राजकीय महाविद्यालय बिलासपुर में 2 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं सम्मेलन का रविवार को समापन हो गया। यह सम्मेलन हिम साइंस कांग्रेस संगठन महाविद्यालय बिलासपुर की ओर से करवाया गया जिसमें देश और विदेश के प्राध्यापक/वैज्ञानिकों ने अपने व्याख्यान और शोध पत्र यहां प्रस्तुत किए।

इस दौरान अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय स्तर के 190 शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। कॉन्फ्रेंस के शुभारंभ अवसर पर एन.आई.आई.टी. हमीरपुर निदेशक हीरालाल मुरलीधर सूर्यवंशी ने मुख्यातिथि के तौर पर शिरकत की। वहीं समापन में वाई.एस. परमार वि.वि. सोलन के पूर्व कुलपति प्रो. एच.सी. शर्मा उपस्थित रहे। कार्यक्रम के प्रारंभिक सत्र में मुख्य वक्ता के तौर पर नैशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर से प्रोफैसर बिनलिक्स ने अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया जिसका मुख्य विषय फोटोडायनामिक थैरेपी रहा। समापन में यूनिवर्सिटी ऑफ पैरिस से प्रोफैसर फिलिप रोजर ने "वन डाइमैंशनल को ऑलीमर" पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कालेज प्राचार्य डा. पी.एस. कटवाल ने कहा कि इस तरह के सम्मेलनों से जो निष्कर्ष आते हैं उनकी एक रिपोर्ट जरूर बननी चाहिए और उन रिपोर्ट को सरकार को जरूर भेजा जाना चाहिए और जो भी शोध पत्र इस तरह के कॉन्फ्रैंस या सैमीनार में प्रस्तुत किए जाते हैं वे इस तरह के हों जिससे हमारे देश का, हमारे समाज का भला हो और उन निष्कर्ष के द्वारा हमारी सरकार समाज की प्रगति के लिए उस दिशा में कोई बेहतर कदम उठा सके।

कार्यक्रम में कुल 190 रिसर्च पेपर प्रस्तुत किए गए जो कि मौखिक और पोस्टर आधारित थे। इन 2 दिनों में जिला बिलासपुर से स्कूल स्टडी साइंस प्रोजैक्ट के अंतर्गत 12 प्रोजैक्ट प्रस्तुत किए गए जिनमें से बैस्ट 4 को अवार्ड दिए गए। समारोह में 5 अवार्ड बैस्ट ओरल प्रैजैंटेशन और 5 बैस्ट पोस्टर प्रैजैंटेशन बायोलॉजिकल साइंस, कैमिकल साइंस, फिजिकल साइंस, मैथमैटिक्स और इंजीनियरिंग साइंस के छात्रों को दिए गए।

बिलासपुर : कालेज में आयोजित सम्मेलन के दौरान छात्रा को सम्मानित करते आयोजक। (विशाल)

पंजाब केसरी 18.11.2024

ओरल, बेस्ट पोस्टर प्रजेंटेशन में साइंस के विद्यार्थियों को दिए गए पांच अवार्ड

बिलासपुर कॉलेज में अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन, 190 शोध पत्र किए प्रस्तुत

संवाद न्यूज एजेंसी

बिलासपुर। राजकीय महाविद्यालय बिलासपुर में हिम साइंस कांग्रेस संगठन की ओर से आयोजित दो दिवसीय विज्ञान विषय पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय स्तर के 190 रिसर्च पेपर प्रस्तुत किए गए, जो कि मौखिक और पोस्टर आधारित थे। इसी के साथ संगोष्ठी का समापन हो गया।

कार्यक्रम के समापन पर यशवंत सिंह परमार यूनिवर्सिटी के पूर्व वाइस चांसलर एचसी शर्मा ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर से प्रो. बिनलिक्स ने फोटोडायनेमिक थेरेपी पर शोध पत्र प्रस्तुत किया। यूनिवर्सिटी ऑफ पेरिस से प्रो. फिलिप रोजर ने वन डाइमेंशनल को पॉलीमर पर व्याख्यान दिया।

संगोष्ठी में 15 स्कूलों के बच्चों ने जल प्रदूषण प्रबंधक सहित अन्य विज्ञान से संबंधित मॉडल भी प्रस्तुत किए। मॉडल प्रतियोगिता में पहले चार स्थानों पर रहने वाले बच्चों को व्यवसायी डॉ. राहुल कालिया ने स्वर्गीय श्री मास्टर प्रकाश चंद कालिया छात्रवृत्ति प्रदान की। इसके अलावा व्यवसायी पंकज चोफला ने अपने पिता स्वर्गीय कुलदीप चंद चोफला और माता स्वर्गीय कुशल चोफला की स्मृति में दो छात्राओं को 11,000 रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान की। यह छात्रवृत्ति घुमारवीं कॉलेज की साक्षी और बिलासपुर कॉलेज की मन्नत शर्मा को दी गई। समारोह में पांच अवार्ड बेस्ट ओरल प्रेजेंटेशन, 5 बेस्ट पोस्टर प्रेजेंटेशन बायोलॉजिकल साइंस, केमिकल साइंस, फिजिकल साइंस, मैथमेटिक्स और इंजीनियरिंग साइंस के विद्यार्थियों को दिए गए।

बिलासपुर महाविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन अवसर पर उपस्थित प्रतिभागी व अन्य। संवाद

प्रोफेसर को सम्मानित करते मुख्यातिथि। संवाद

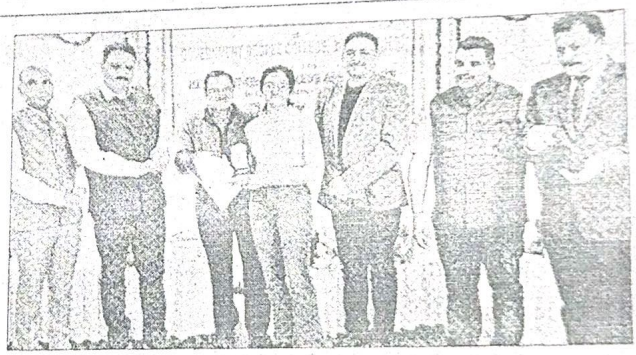

विजेता प्रतिभागी छात्रा को सम्मानित करते मुख्यातिथि। संवाद

संगोष्ठी में देशभर से 6 इनवाइटेड टॉक्स डॉ. वाईके रावल, प्रो. दुनी चंद, प्रो. पवन कुमार, प्रो. परमजीत कौर, डॉ. पीसी पठानिया, डॉ. दिनेश कुमार शर्मा ने दी। स्थानीय कॉलेज के प्राचार्य डॉ. पीएस कटवाल ने कहा कि इस तरह के सम्मेलनों से जो निष्कर्ष आते हैं।

उनकी एक रिपोर्ट जरूर बननी चाहिए और उन रिपोर्ट को सरकार को जरूर भेजा जाना चाहिए। इस तरह के कॉन्फ्रेंस या सेमिनार में प्रस्तुत किए जाने वाले शोध पत्र ऐसे होने चाहिए, जिससे हमारे देश, समाज का भला हो और उन निष्कर्ष के द्वारा हमारी सरकार समाज की प्रगति के लिए उस दिशा में कोई बेहतर कदम उठा सके।

अमर उजाला - 18.11.2024